

# كلمات "هنادا طه" البصرية المنقحة 2016

الكلمات البصرية هي الكلمات الأكثر تكرارا واستخداما في اللغة المكتوبة. وعلى الرغم من أنّ اللغة العربية تحتوي على ملايين الكلمات إلا أنّ جزءا كبيرا من اللغة المكتوبة تتألف من تلك الكلمات البصرية.

يتمّ تحديد الكلمات البصرية بالنظر الى عدة مناهج مدرسية مستخدمة لتعليم اللغة ويتم تحديد الكلمات الأكثر استخداما وتكرارا في كلّ منها. بالنسبة للغة العربية اخترنا عدة مناهج منها منهج الامارات العربية المتحدة، ولغتنا العربية من الأردن، ومنهج البحرين، ومنهج تونس وأرض الأصوات، ولغتي فرجي وأحبّ العربية.

من الملاحظ أنّ الكثير من هذه الكلمات هي كلمات غير حسيّة مثل: (هذا والذي ولن وهكذا) ومن الصعب تصوير تلك الكلمات أو حتى تعريفها. فاذا أردنا للأطفال أن يتعلّموا القراءة في وقت قصير فإنّ عليهم أن يتقنوا تلك الكلمات البصرية ويحفظوا والآفاتهم سيضطرون إلى قراءتها حرفا حرفا وذلك يتطلّب وقتا طويلا كما أنّ التهجئة تعيق وتحدّ من فهمهم لما يقرأون. إنّ معرفة الكلمات كثيرة الاستخدام بصريا يحتاج إلى تشغيل الذاكرة وإلى التكرار.

على الطالب أن يقرأ تلك الكلمات البصرية ويكتب قدر المستطاع فإليك عزيزي المدرّس/المدرّسة بعض الطرائق التي قد تساعدك على تثبيت الكلمات البصرية في ذاكرة طلابك:

- 1- يُعطى كلّ تلميذ نسخة من الكلمات البصرية في بداية السنة ليحتفظ بها في ملفه البيتي. استمع شهريا إلى قراءة الطلاب لكلماتهم البصرية وضع علامة أمام الكلمات التي أتقن كلّ تلميذ قراءتها.
- 2- تكتب الكلمات البصرية على قصاصات من الورق المقوّى تعلق على جدران الصف. بحسب ترتيبها الأبجدي (حائط الكلمات). أكتب تلك الكلمات مع تلاميذك يوميا.
- 3- يعطى الطلاب ست كلمات بصرية أسبوعيا كي يكتبوها ويقرأوها.
- 4- يطلب الى الطلاب أن يكتبوا تلك الكلمات بمفردها أو بوضعها في جملة أو (ملء الفراغ).
- 5- يجد الطلاب الكلمات الكثيرة التكرار في أي نص أو درس يعملون عليه في الصفّ.

# كلمات "هنادا طه" البصرية المنقحة 2016

## صف الروضة

|        |      |      |      |      |
|--------|------|------|------|------|
| ماما   | يا   | هذا  | أنا  | كان  |
| كلّ    | مع   | من   | في   | بابا |
| أنّ    | ما   | قال  | باب  | بيت  |
| نعم    | عند  | أكلّ | أسود | رسم  |
| نحن    | عندي | على  | إلى  | تحت  |
| رغب    | واسع | رغض  | كبير | هناك |
| يُحبُّ | جاء  | هو   | ذلك  | يسكن |
| أسد    | هم   | هي   | لا   | ماذا |
| سرير   | دار  | دُب  | جمل  | بطة  |
| فم     | رأس  | ثوب  | توت  | وقف  |
| هذه    | أختي | عنده | لهم  | عين  |
|        |      |      |      | فيل  |

# كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

## الصف الأول

|        |      |       |      |      |
|--------|------|-------|------|------|
| ماما   | يا   | هذا   | أنا  | كان  |
| كلّ    | مع   | من    | في   | بابا |
| أنّ    | ما   | قال   | باب  | بيت  |
| نعم    | عند  | أكلّ  | أسود | رسم  |
| نحن    | عندي | على   | إلى  | تحت  |
| رغب    | واسع | رغض   | كبير | هناك |
| يُحبُّ | جاء  | هو    | ذلك  | يسكن |
| أسد    | هم   | هي    | لا   | ماذا |
| سرير   | دار  | دُب   | جمل  | بطة  |
| فم     | رأس  | ثوب   | توت  | وقف  |
| هذه    | أختي | عنده  | لهم  | عين  |
| غرفة   | أمام | عندها | مثل  | فيل  |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

|           |            |          |         |         |
|-----------|------------|----------|---------|---------|
| سأل       | شجرة       | مشى      | دَخَلَ  | كيف     |
| بَعْدَ    | لِهَا      | أَيِّ    | أَيْنَ  | لَهُ    |
| فَتَحَ    | شَرِبَ     | يَعِيشُ  | كِتَابَ | شَكَرَا |
| أَرِيدُ   | مَدْرَسَةَ | فَعَلَ   | بِنْتِ  | فَوْقَ  |
| إِذَا     | أَبِي      | أُمِّي   | شَمْسِ  | ذَهَبَ  |
| لَمْ      | لَكَ       | أَخِي    | يَوْمَ  | هَلْ    |
| الَّذِي   | اسْمِ      | جَلَسَ   | لَعِبَ  | قَدْ    |
| الْحَمْدُ | صَارَ      | طَيِّبَ  | سَبَّحَ | كَتَبَ  |
| هَؤُلَاءِ | دَائِمًا   | لَمَّا   | قَرَأَ  | اللَّهِ |
| بِكِي     | لَأَنَّ    | كَثِيرًا | عَادَتِ | حَوْلَ  |
|           |            |          |         | عَدَّةَ |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

### الصف الثاني

|        |          |        |      |         |
|--------|----------|--------|------|---------|
| كان    | أنا      | هذا    | يا   | ماما    |
| بابا   | في       | من     | مع   | كلّ     |
| بيت    | باب      | قال    | ما   | أنّ     |
| رَسَمَ | أَسْوَدَ | أَكَلَ | عند  | نَعَمَ  |
| تحت    | إلى      | على    | عندي | نحن     |
| هناك   | كبير     | رَغَضَ | واسع | رَكَبَ  |
| يسكن   | ذلك      | هو     | جاء  | يُحِبُّ |
| ماذا   | لا       | هي     | هم   | أسد     |
| بطة    | جَمَل    | دُب    | دار  | سرير    |
| وقَف   | توت      | ثوب    | رأس  | فم      |
| عين    | لهم      | عنده   | أختي | هذه     |
| فيل    | مثل      | عندها  | أمام | غرفة    |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقحة 2016

|           |             |           |         |           |
|-----------|-------------|-----------|---------|-----------|
| سأل       | شجرة        | مشى       | دَخَلَ  | كيف       |
| بَعْدَ    | لِهَا       | أَيَّ     | أَيْنَ  | لَهُ      |
| فَتَحَ    | شَرِبَ      | يَعِيشُ   | كِتَابَ | شَكَرَا   |
| أَرِيدُ   | مَدْرَسَةَ  | فَعَلَ    | بِنْتِ  | فَوْقَ    |
| إِذَا     | أَبِي       | أُمِّي    | شَمْسِ  | ذَهَبَ    |
| لَمْ      | لَكَ        | أَخِي     | يَوْمَ  | هَلْ      |
| الَّذِي   | اسْمِ       | جَلَسَ    | لَعِبَ  | قَدْ      |
| الْحَمْدِ | صَارَ       | طَيِّبَ   | سَبَّحَ | كَتَبَ    |
| هَؤُلَاءِ | دَائِمًا    | لَمَّا    | قَرَأَ  | اللَّهِ   |
| بِكِي     | لَأَنَّ     | كَثِيرًا  | عَادَتِ | حَوْلَ    |
| عَمِلَ    | فَرَحًا     | قَبْلَ    | ثُمَّ   | عَدَّةَ   |
| يَشْتَرِي | أَهْلًا     | حَدِيقَةَ | أَيْضًا | مَعَا     |
| أَخْضَرَ  | مُعَلِّمَةً | أَوَّلَ   | نَظَرَ  | أَزْهَارَ |
| قَلَمَ    | أَوْلَادَ   | تَكَلَّمَ | أَوْ    | الَّتِي   |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

|       |        |       |       |       |
|-------|--------|-------|-------|-------|
| الذين | يد     | يغني  | مطر   | ماء   |
| الآن  | الصباح | سنة   | بسرعة | رَجُل |
| أخذ   | عصير   | دَرَس | غسل   | كرة   |
| أولئك | قليلا  | لله   | نادتْ | صغيرا |
| حتى   | فجأة   | عائلة | معه   | هنا   |
|       |        |       |       | تلك.  |

### الصف الثالث

|      |      |     |      |      |
|------|------|-----|------|------|
| ماما | يا   | هذا | أنا  | كان  |
| كلّ  | مع   | من  | في   | بابا |
| أن   | ما   | قال | باب  | بيت  |
| نعم  | عند  | أكل | أسود | رسم  |
| نحن  | عندي | على | إلى  | تحت  |
| ركب  | واسع | ركض | كبير | هناك |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

|        |        |        |       |         |
|--------|--------|--------|-------|---------|
| يسكن   | ذلك    | هو     | جاء   | يُحِبُّ |
| ماذا   | لا     | هي     | هم    | أسد     |
| بطة    | جمل    | دُب    | دار   | سرير    |
| وقّف   | توت    | ثوب    | رأس   | فم      |
| عين    | لهم    | عنده   | أختي  | هذه     |
| فيل    | مثل    | عندها  | أمام  | غرفة    |
| كيف    | دَخَلَ | مشى    | شجرة  | سأل     |
| له     | أين    | أيّ    | لها   | بعد     |
| شكرا   | كتاب   | يعيش   | شرب   | فَتَحَ  |
| فوق    | بنت    | فَعَلَ | مدرسة | أريد    |
| دَهَبَ | شمس    | أمي    | أبي   | إذا     |
| هل     | يوم    | أخي    | لك    | لم      |
| قد     | لَعِبَ | جلس    | اسم   | الذي    |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقحة 2016

|        |           |        |       |        |
|--------|-----------|--------|-------|--------|
| الحمد  | صار       | طبيب   | سبح   | كُتِبَ |
| هؤلاء  | دائما     | لَمَّا | قرأ   | الله   |
| بكى    | لأنَّ     | كثيرا  | عادت  | حول    |
| عَمِلَ | فَرَحًا   | قَبْلَ | ثمَّ  | عدَّة  |
| يشترى  | أهلا      | حديقة  | أيضا  | معا    |
| أخضر   | معلّمة    | أول    | نظَرَ | أزهار  |
| قلم    | أولاد     | تكلّم  | أو    | التي   |
| الذين  | يد        | يعني   | مطر   | ماء    |
| الآن   | الصَّبَاح | سنة    | بسرعة | رَجُلٌ |
| أخذ    | عصير      | دَرَسَ | غسل   | كرة    |
| أولئك  | قليلا     | الله   | نادتُ | صغيرا  |
| حتى    | فجأة      | عائلة  | معه   | هنا    |
| كامل   | أسرة      | بضع    | بعيد  | تلك    |
| لأنّها | مكان      | معي    | لكن   | امرأة  |
| أخيرا  | ساخن      | لأنّه  | حيوان | يكبر   |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

|       |       |       |        |      |
|-------|-------|-------|--------|------|
| بدأ   | سؤال  | حمل   | نستطيع | ضحك  |
| أحسن  | بلاد  | خفيف  | نظف    | بيوت |
| طويل  | لذيذ  | بنفسي | ثمانية | غطى  |
| أبدا  | وقع   | صنع   | مكتبة  | بعض  |
| فقط   | أحتاج | أيها  | أرض    | يجمع |
| يمين  | حزينا | سعيدا | سبعة   | يسار |
| مسرور | سلام  | صباح  | مساء   | خير  |
| أخرى  | آخر   |       |        |      |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

### الصف الرابع

|        |          |         |      |         |
|--------|----------|---------|------|---------|
| كان    | أنا      | هذا     | يا   | ماما    |
| بابا   | في       | مِن     | مع   | كَلَّ   |
| بيت    | باب      | قال     | ما   | أَنْ    |
| رَسَمَ | أَسْوَدَ | أَكَلَ  | عند  | نَعَمَ  |
| تحت    | إلى      | على     | عندي | نحن     |
| هناك   | كبير     | رَغَضَ  | واسع | رَغَبَ  |
| يسكن   | ذلك      | هو      | جاء  | يُحِبُّ |
| ماذا   | لا       | هي      | هم   | أسد     |
| بطة    | جَمَلَ   | دُبَّ   | دار  | سرير    |
| وقَفَ  | توت      | تَوَّبَ | رأس  | فم      |
| عين    | لهم      | عنده    | أختي | هذه     |
| فيل    | مثل      | عندها   | أمام | غرفة    |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقحة 2016

|           |             |           |         |           |
|-----------|-------------|-----------|---------|-----------|
| سأل       | شجرة        | مشى       | دَخَلَ  | كيف       |
| بَعْدَ    | لِهَا       | أَيَّ     | أَيْنَ  | لَهُ      |
| فَتَحَ    | شَرِبَ      | يَعِيشُ   | كِتَابَ | شَكَرَا   |
| أَرِيدُ   | مَدْرَسَةَ  | فَعَلَ    | بِنْتِ  | فَوْقَ    |
| إِذَا     | أَبِي       | أُمِّي    | شَمْسِ  | ذَهَبَ    |
| لَمْ      | لَكَ        | أَخِي     | يَوْمَ  | هَلْ      |
| الَّذِي   | اسْمِ       | جَلَسَ    | لَعِبَ  | قَدْ      |
| الْحَمْدِ | صَارَ       | طَيِّبَ   | سَبَّحَ | كَتَبَ    |
| هَؤُلَاءِ | دَائِمًا    | لَمَّا    | قَرَأَ  | اللَّهِ   |
| بِكِي     | لَأَنَّ     | كَثِيرًا  | عَادَتِ | حَوْلَ    |
| عَمِلَ    | فَرَحًا     | قَبْلَ    | ثُمَّ   | عَدَّةَ   |
| يَشْتَرِي | أَهْلًا     | حَدِيقَةَ | أَيْضًا | مَعَا     |
| أَخْضَرَ  | مُعَلِّمَةً | أَوَّلَ   | نَظَرَ  | أَزْهَارَ |
| قَلَمَ    | أَوْلَادَ   | تَكَلَّمَ | أَوْ    | الَّتِي   |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

|       |        |       |       |       |
|-------|--------|-------|-------|-------|
| الذين | يد     | يغني  | مطر   | ماء   |
| الآن  | الصباح | سنة   | بسرعة | رَجُل |
| أخذ   | عصير   | دَرَس | غسل   | كرة   |
| أولئك | قليلا  | لله   | نادتْ | صغيرا |
| حتى   | فجأة   | عائلة | معه   | هنا   |
| كامل  | أسرة   | بضع   | بعيد  | تلك   |
| لأنها | مكان   | معي   | لكن   | امرأة |
| أخيرا | ساخن   | لأنه  | حيوان | يكبر  |
| ضحك   | نستطيع | حمل   | سؤال  | بدأ   |
| بيوت  | نظف    | خفيف  | بلاد  | أحسن  |
| غطى   | ثمانية | بنفسي | لذيذ  | طويل  |
| بعض   | مكتبة  | صنع   | وقع   | أبدا  |
| يجمع  | أرض    | أيها  | أحتاج | فقط   |
| يسار  | سبعة   | سعيدا | حزينا | يمين  |
| خير   | مساء   | صباح  | سلام  | مسرور |
| مدينة | سنة    | قرآن  | آخر   | أخرى  |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

|        |        |       |        |       |
|--------|--------|-------|--------|-------|
| تعال   | صغير   | شيء   | عشرة   | فيه   |
| يحتفظ  | مجروح  | يمالك | عطلة   | أحضر  |
| انتهى  | حقيقية | مشهور | تلميذ  | دافئ  |
| عظيم   | مستشفى | أحد   | إنسان  | مهمّ  |
| أصبح   | حياة   | صديق  | ربّما  | مرّة  |
| أعطى   | فكّر   | يقدر  | ابتعد  | أشرق  |
| صحيفة  | رجال   | نساء  | مجموعة | نسيم  |
| امتلاً | هواء   | طائر  | عجلات  | طائرة |
| أرسل   | سنين   | وطن   | ملك    | طبيعة |
| تراث   |        |       |        |       |

# كلمات "هنادا طه" البصرية المنقحة 2016

## الصف الخامس

|        |          |        |      |         |
|--------|----------|--------|------|---------|
| كان    | أنا      | هذا    | يا   | ماما    |
| بابا   | في       | من     | مع   | كلّ     |
| بيت    | باب      | قال    | ما   | أنّ     |
| رَسَمَ | أَسْوَدَ | أَكَلَ | عند  | نَعَمَ  |
| تحت    | إلى      | على    | عندي | نحن     |
| هناك   | كبير     | رَغَضَ | واسع | رَكَبَ  |
| يسكن   | ذلك      | هو     | جاء  | يُحِبُّ |
| ماذا   | لا       | هي     | هم   | أسد     |
| بطة    | جَمَل    | دُب    | دار  | سرير    |
| وقَف   | توت      | ثوب    | رأس  | فم      |
| عين    | لهم      | عنده   | أختي | هذه     |
| فيل    | مثل      | عندها  | أمام | غرفة    |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقحة 2016

|        |           |        |        |        |
|--------|-----------|--------|--------|--------|
| سأل    | شجرة      | مشى    | دَخَلَ | كيف    |
| بعد    | لها       | أَيَّ  | أين    | له     |
| فَتَحَ | شرب       | يعيش   | كتاب   | شكرا   |
| أريد   | مَدْرَسَة | فَعَلَ | بِنْتِ | فوق    |
| إذا    | أبي       | أمي    | شمس    | ذَهَبَ |
| لم     | لك        | أخي    | يوم    | هل     |
| الذي   | اسم       | جلس    | لَعِبَ | قد     |
| الحمد  | صار       | طبيب   | سبح    | كَتَبَ |
| هؤلاء  | دائما     | لَمَّا | قرأ    | الله   |
| بكي    | لأنّ      | كثيرا  | عادت   | حول    |
| عَمِلَ | فَرَحَا   | قَبْلَ | ثمّ    | عدّة   |
| يشترى  | أهلا      | حديقة  | أيضا   | معا    |
| أخضر   | معلّمة    | أول    | نظَرَ  | أزهار  |
| قلم    | أولاد     | تكلم   | أو     | التي   |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

|       |        |       |       |       |
|-------|--------|-------|-------|-------|
| الذين | يد     | يغني  | مطر   | ماء   |
| الآن  | الصباح | سنة   | بسرعة | رَجُل |
| أخذ   | عصير   | دَرَس | غسل   | كرة   |
| أولئك | قليلا  | لله   | نادتْ | صغيرا |
| حتى   | فجأة   | عائلة | معه   | هنا   |
| كامل  | أسرة   | بضع   | بعيد  | تلك   |
| لأنها | مكان   | معي   | لكن   | امرأة |
| أخيرا | ساخن   | لأنه  | حيوان | يكبر  |
| ضحك   | نستطيع | حمل   | سؤال  | بدأ   |
| بيوت  | نظف    | خفيف  | بلاد  | أحسن  |
| غطى   | ثمانية | بنفسي | لذيذ  | طويل  |
| بعض   | مكتبة  | صنع   | وقع   | أبدا  |
| يجمع  | أرض    | أيها  | أحتاج | فقط   |
| يسار  | سبعة   | سعيدا | حزينا | يمين  |
| خير   | مساء   | صباح  | سلام  | مسرور |
| مدينة | سنة    | قرآن  | آخر   | أخرى  |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

|        |        |       |        |        |
|--------|--------|-------|--------|--------|
| تعال   | صغير   | شيء   | عشرة   | فيه    |
| يحتفظ  | مجروح  | يمالك | عطلة   | أحضر   |
| انتهى  | حقيقية | مشهور | تلميذ  | دافئ   |
| عظيم   | مستشفى | أحد   | إنسان  | مهمّ   |
| أصبح   | حياة   | صديق  | ربّما  | مرّة   |
| أعطى   | فكّر   | يقدر  | ابتعد  | أشرق   |
| صحيفة  | رجال   | نساء  | مجموعة | نسيم   |
| امتلاً | هواء   | طائر  | عجلات  | طائرة  |
| أرسل   | سنين   | وطن   | ملك    | طبيعة  |
| تراث   | جمال   | علوم  | مؤمن   | مجتمع  |
| بيئة   | صحّة   | فائدة | أخلاق  | سبحان  |
| غذاء   | عقل    | موسم  | غضب    | مسلم   |
| زراعة  | سعادة  | هدية  | زهرة   | استيقظ |
| صياد   | وسيم   | أعشاب | نفس    | عصفور  |
| تجربة  | نار    | رياح  | عاصفة  | شمال   |
| طريق   | جديد   | جُملة | فقرة   | كلمة   |

## كلمات "هنادا طه" البصرية المنقّحة 2016

| استخرج | صورة | حركة | مناسبة | مفيدة |
|--------|------|------|--------|-------|
|        |      |      |        | تالي  |